Series &RQPS/S

Set – 4

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code **62/S**

अनुक्रमांक
Roll No.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ* ***19*** *हैं ।*
- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में* ***35*** *प्रश्न हैं ।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।*
- ***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
- *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*
- *Please check that this question paper contains* ***19*** *printed pages.*
- *Please check that this question paper contains* ***35*** *questions.*
- *Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.*
- ***Please write down the serial number of the question in the answer-book before attempting it.***
- *15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.*

समाजशास्त्र
SOCIOLOGY

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़िए और उनका सख्ती से पालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र* ***चार*** *खण्डों में विभाजित किया गया है –* ***खण्ड क, ख, ग*** *तथा* ***घ।***

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल* ***35*** *प्रश्न हैं।* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(iii) ***खण्ड क*** *में प्रश्न संख्या* ***1 – 16*** *हैं। ये वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। प्रश्न के आधार पर, सिर्फ एक ही उत्तर हो सकता है।*

(iv) ***खण्ड ख*** *में प्रश्न संख्या* ***17 – 25*** *हैं। ये अति लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए।*

(v) ***खण्ड ग*** *में प्रश्न संख्या* ***26 – 32*** *हैं। ये लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 80 शब्दों में दीजिए।*

(vi) ***खण्ड घ*** *में प्रश्न संख्या* ***33 – 35*** *हैं। ये दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए।*

(vii) *रेखाचित्र की सहायता से प्रश्न संख्या* ***33*** *का उत्तर दीजिए। दिए गए अनुच्छेद की सहायता से प्रश्न संख्या* ***34*** *का उत्तर दीजिए।*

खण्ड क

1. अभिकथन *(A) :* भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश अधिकार के बाद तंजौर, ढाका और मुर्शीदाबाद की राजसभाओं का विघटन हो गया।

कारण (R) : ब्रिटिश औद्योगीकरण का एक उल्टा असर यानी कि भारत के कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक क्षरण (डीइंडस्ट्रीयलाइजेशन) हुआ। भारत में कुछ पुराने, परम्परागत नगरीय केन्द्रों का भी पतन हो गया।

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** है।

(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी अवधारणा में किसी संस्कृति-विशेष के बाह्य तत्वों के अनुकरण की प्रवृत्ति भी होती है ? परंतु आवश्यक नहीं कि वे प्रजातंत्र और सामाजिक समानता जैसे आधुनिक मूल्यों में भी विश्वास रखते हों।

(A) आधुनिकीकरण (B) संस्कृतिकरण

(C) पंथनिरपेक्षीकरण (D) पश्चिमीकरण

General Instructions :

Read the following instructions carefully and follow them :

(i) *The question paper is divided into **four** sections — **Section A, B, C** and **D**.*

(ii) *There are **35** questions in all. **All** questions are **compulsory**.*

(iii) ***Section A** includes questions no. **1 – 16**. These are Objective Type Questions, carrying 1 mark each. As per the question there can be one answer.*

(iv) ***Section B** includes questions no. **17 – 25**. These are Very Short Answer type questions, carrying 2 marks each. Answer to each question should not exceed 30 words.*

(v) ***Section C** includes questions no. **26 – 32**. These are Short Answer type questions, carrying 4 marks each. Answer to each question should not exceed 80 words.*

(vi) ***Section D** includes questions no. **33 – 35**. They are Long Answer type questions, carrying 6 marks each. Answer to each question should not exceed 200 words each.*

(vii) *Question no. **33** is to be answered with the help of given graphics. Question no. **34** is to be answered with the help of given passage.*

SECTION A

1. *Assertion (A) :* When the British took over Indian states, towns like Thanjavur, Dhaka and Murshidabad lost their courts.

Reason (R) : British industrialisation led to deindustrialisation in some sectors, and decline of old urban centres.

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

2. Which of the following concepts involves the imitation of external forms of culture ? It does not necessarily mean that people adopt modern values of democracy and equality.

(A) Modernization (B) Sanskritisation

(C) Secularisation (D) Westernisation

3. निम्नलिखित में से स्वतंत्र भारत में भूमि सुधार के बारे में कौन-सा सही ***नहीं*** है ?

(A) ज़मींदारी व्यवस्था को समाप्त करना

(B) पट्टेदारी का उन्मूलन

(C) रैयतवाड़ी व्यवस्था

(D) भूमि की हदबंदी अधिनियम

4. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सामाजिक आंदोलनों के लिए सही है ?

(A) सामाजिक आंदोलन में एक लंबे समय तक निरंतर सामूहिक गतिविधियों की आवश्यकता होती है।

(B) सामाजिक गतिविधियों को कुछ हद तक संगठन द्वारा चिह्नित करने की आवश्यकता नहीं है।

(C) इस संगठन में नेतृत्व तथा संरचना नहीं होती है।

(D) ऐसा हो सकता है कि इसमें भाग लेने वाले लोगों के उद्देश्यों तथा विचारधाराओं में समानता नहीं हो।

5. सेवा क्षेत्रों जैसे सॉफ्टवेयर उद्योग में काम करने वाले कर्मचारियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ***ग़लत*** है :

(A) सॉफ्टवेयर में काम करने वाले लोग मध्यम वर्गीय और पूर्णत: शिक्षित होते हैं।

(B) उनका कार्य स्वत: स्फूर्त एवं रचनात्मक होता है।

(C) औसतन 10-12 घंटे का कार्यदिवस, और रातभर कार्य करने वाले कर्मचारी भी असामान्य बात नहीं हैं।

(D) अपने अधिकारियों को नहीं दिखाना चाहते हैं कि वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

6. अकाल बढ़ती हुई _____ का एक प्रमुख पुनरावर्तक स्त्रोत है।

(A) प्रजनन दर

(B) मृत्यु दर

(C) निर्भरता

(D) लिंग अनुपात

3. Which of the following is ***not*** true about land reforms in Independent India ?

(A) Abolition of the Zamindari System

(B) Tenancy Abolition

(C) Raiyatwari System

(D) Land Ceiling Acts

4. Which of the following statements is true for social movements ?

(A) A social movement requires sustained collective action over time.

(B) Collective action need not be marked by some degree of organisation.

(C) This organisation may not include a leadership and a structure.

(D) Those participating in a social movement may not have shared objectives and ideologies.

5. Which of the following statements is ***incorrect*** with regard to professionals working in the service sector such as software industry ?

(A) Software professionals are middle class and well educated.

(B) Their work is supposed to be self-motivated and creative.

(C) 10-12 hours is an average work day, and its not uncommon for employees to stay overnight in the office.

(D) They do not want to show the boss that they are working hard.

6. Famines were a major and recurring source of increased _____.

(A) Fertility

(B) Mortality

(C) Dependency

(D) Sex-ratio

7. 'शुद्ध जातियों' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है ?

(A) वे पवित्र के करीब हैं।

(B) उनकी स्थिति निम्न है।

(C) उनके पास भौतिक शक्ति नहीं है।

(D) ऐसा माना जाता है कि वे युद्धों में पराजित हो गए थे।

8. _____ जाति व्यवस्था का एक अत्यंत घृणित एवं दूषित पहलू है, जो धार्मिक एवं कर्मकांडीय दृष्टि से शुद्धता एवं अशुद्धता के पैमाने पर सबसे नीची मानी जाने वाली जातियों के सदस्यों के विरुद्ध अत्यंत कठोर सामाजिक दंडों का विधान करता है।

यहाँ किस अवधारणा की बात कही गई है ?

(A) भेदभाव (B) अस्पृश्यता

(C) पूर्वाग्रह (D) सामाजिक विषमता

9. अभिकथन *(A) :* सांस्कृतिक विविधता कठोर चुनौतियाँ प्रस्तुत कर सकती है।

कारण (R) : सांस्कृतिक विविधता आर्थिक और सामाजिक असमानताओं से नहीं जुड़ी है।

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** है।

(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

10. जनसांख्यिकीविदों और समाजशास्त्रियों ने भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात में गिरावट आने के कई कारण बताए हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा स्त्री-पुरुष अनुपात में गिरावट आने का कारण ***नहीं*** है ?

(A) शैशवावस्था में बच्चियों की देखभाल ना करना

(B) लिंग-विशेष के गर्भपात

(C) बालिका शिशुओं की हत्या

(D) जागरूकता

7. Which of the following is true for 'Pure Castes' ?

(A) They are close to the sacred.

(B) They have a low status.

(C) They do not have material power.

(D) It is believed that they were defeated in wars.

8. _____ is an extreme and particularly vicious aspect of the caste system that prescribes stringent social sanctions against members of castes located at the bottom of the purity-pollution scale.

Which concept is being talked about here ?

(A) Discrimination (B) Untouchability

(C) Prejudices (D) Social Inequality

9. *Assertion (A) :* Cultural diversity can present tough challenges.

Reason (R) : Cultural diversity is not linked to economic and social inequalities.

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

10. Demographers and sociologists have offered several reasons for the decline in the sex ratio in India.

Which of the following is ***not*** a reason for the decline in the sex-ratio ?

(A) Not looking after girl babies in infancy

(B) Sex-specific abortions

(C) Female infanticide

(D) Awareness

11. भारत सरकार अधिनियम, _____ ने निर्धारित जातियों तथा जनजातियों की सूचियों या अनुसूचियों को वैध मान्यता प्रदान कर दी।

(A) 1927 (B) 1947

(C) 1953 (D) 1935

12. अभिकथन *(A) :* अधिकांश समाजों की तरह भारत में भी सामाजिक भेदभाव तथा बहिष्कार चरम रूप में पाया जाता है।

कारण (R) : इतिहास की विभिन्न अवधियों में जाति, लिंग तथा धार्मिक भेदभाव के विरुद्ध आंदोलन नहीं हुए हैं।

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** है।

(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

13. अभिकथन *(A) :* क्षेत्रिय भावनाओं को आदर देना मात्र ही राज्य निर्माण के लिए काफ़ी नहीं है।

कारण (R) : इसके लिए एक ऐसा संस्थागत ढाँचा होना भी जरूरी है, जो यह सुनिश्चित कर सके कि वह एक बड़े संघीय ढाँचे के अंतर्गत एक स्वायत्त इकाई के रूप में चल सकता है।

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** है।

(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

14. 'घुमक्कड़ मज़दूर' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य ***नहीं*** है।

(I) प्रवास का घुमक्कड़ मज़दूर से कोई संबंध नहीं है।

(II) इसका तात्पर्य स्वतंत्रता से है।

(III) उनका शोषण किया जाता है।

(A) (I) और (II) (B) (II) और (III)

(C) (I) और (III) (D) (I), (II) और (III)

11. The Government of India Act, _____ gave legal recognition to the lists or schedules of castes and tribes marked out for special treatment by the State.

(A) 1927 (B) 1947

(C) 1953 (D) 1935

12. *Assertion (A) :* India, like most societies, has been marked by acute practices of social discrimination and exclusion.

Reason (R) : At different periods of history, no protest movements arose against caste, gender and religious discrimination.

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

13. *Assertion (A) :* Respecting regional sentiments is not just a matter of creating states.

Reason (R) : This has to be backed up with an institutional structure that ensures their viability as relatively autonomous units within a larger federal structure.

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

14. Which of the following is ***not*** true for 'footloose labour' ?

(I) Migration does not have any relations with footloose labour.

(II) It implies freedom.

(III) They are exploited.

(A) (I) and (II) (B) (II) and (III)

(C) (I) and (III) (D) (I), (II) and (III)

15. अभिकथन *(A) :* किसान जो मौसम, मिट्टी और बीजों की अपनी समझ के आधार पर फसल उगाना जानता है, वह अकुशल है।

कारण (R) : मशीनों का प्रयोग कार्यकर्ताओं की दक्षता को कम करता है।

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** है।

(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

16. जब राजा राममोहन रॉय ने सती प्रथा का विरोध किया तथा ब्रह्म समाज की स्थापना की तो सती प्रथा के प्रतिरक्षकों ने धर्म सभा स्थापित की तथा अंग्रेज़ों को सती के विरुद्ध कानून न बनाने के लिए याचिका दी।

यह निम्नलिखित में से किस आंदोलन पर प्रकाश डालता है ?

(A) नए सामाजिक आंदोलन (B) सामाजिक परिवर्तन

(C) प्रतिरोधी आंदोलन (D) क्रांतिकारी आंदोलन

खण्ड ख

17. (क) हरित क्रांति के प्रथम चरण 1960 तथा 1970 दशकों में, नई तकनीक के लागू होने से ग्रामीण समाज में असमानताएँ बढ़ने का आभास हुआ। हरित क्रांति की फसलें अधिक लाभ वाली थीं क्योंकि इनसे अधिक उत्पादन होता था।

उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए :

नई तकनीक के लागू होने से ग्रामीण समाज में किस प्रकार असमानताएँ बढ़ीं ? *2*

अथवा

15. *Assertion (A) :* Farmers who know how to grow crops based on their understanding of the weather, soil and seeds are unskilled.

Reason (R) : Machinery deskills workers.

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

16. When Raja Rammohan Roy campaigned against Sati and formed the Brahmo Samaj, defenders of Sati formed Dharma Sabha and petitioned the British not to legislate against Sati.

Which of the following movement does it highlight ?

(A) New Social Movement (B) Social Change

(C) Counter Movement (D) Revolutionary Movement

SECTION B

17. (a) In the first phase of the Green Revolution, in the 1960s and 1970s, the introduction of new technology seemed to be increasing inequalities in rural society. Green Revolution crops were highly profitable, mainly because they yielded more produce.

Based on the above passage, answer the question given below :

How did the introduction of new technology increase inequalities in rural society ? *2*

OR

(ख) बहुत से गाँव में रहने वाले लोग सरकारी नौकरी जैसे डाकखाने में, शिक्षा विभाग में, कारखाने में कामगार या सेना की नौकरी करते हैं, उनकी जीविका अकृषि क्रियाकलापों से चलती है।

उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए।

गाँव के परंपरागत व्यवसायों में आज गिरावट क्यों आई है ?

18. "बहुत सी फ़ैक्ट्रियाँ में बदली कामगार भी होते हैं।" बदली कामगार कौन हैं ? *2*

19. एक उदाहरण की सहायता से क्रांतिकारी आंदोलन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। *2*

20. अधिकांश राज्यों में भूमि की हदबंदी अधिनियम 'दंतविहीन' क्यों साबित हुए ? दो कारण दीजिए। *1+1=2*

21. संगठित और असंगठित क्षेत्र के बीच अंतर कीजिए। *1+1=2*

22. नगरीकरण में हो रही तेज़ संवृद्धि यह दर्शाती है कि कस्बे या शहर, ग्रामीण जनता को चुंबक की तरह अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इस कथन के दो कारण दीजिए। *1+1=2*

23. परिवार राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। दो उदाहरणों की सहायता से पुष्टि कीजिए। *1+1=2*

24. (क) हमारे परिवारों या धार्मिक अथवा क्षेत्रीय समुदायों की सदस्यता में पूर्वशर्तें नहीं होती हैं, फिर भी यह संपूर्ण होती है। वास्तव में, अधिकांश प्रदत्त पहचानें इतनी पक्की होती हैं कि उन्हें हिलाया नहीं जा सकता; भले ही हम उन्हें अस्वीकार करने की कोशिश करें तब भी दूसरे लोग शायद उन्हीं चिह्नों से जोड़कर हमारी पहचान करते रहेंगे।

उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

सामुदायिक पहचानों को क्यों नहीं हिलाया जा सकता है ? *2*

अथवा

(ख) सामुदायिक पहचानों के साथ राष्ट्र-राज्य के संबंधों की दृष्टि से भारत की स्थिति न तो आत्मसात्करणवादी और न ही एकीकरणवादी की है।

आत्मसात्करणवादी नीतियों का उद्देश्य क्या है ?

25. अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि विभिन्न समाजों में विविध प्रकार के परिवार पाए जाते हैं। उत्तराधिकार के नियम के अनुसार परिवार के दो प्रकार लिखिए। *1+1=2*

(b) There are rural residents employed in government services such as the postal and educational departments, factory workers, or in the army, who earn their living through non-agricultural activities.

Based on the above passage, answer the following question.

Why have traditional occupations declined in rural India ?

18. "Many factories employ badli workers". Who are badli workers ? *2*

19. Define the concept of revolutionary movement with the help of an example. *2*

20. Why were the Land Ceiling Acts 'toothless' in most of the states ? Give two reasons. *1+1=2*

21. Differentiate between organised and unorganised sector. *1+1=2*

22. The rapid growth in urbanisation shows that the town or the city has been acting as a magnet for the rural population.

Give two reasons for the above statement. *1+1=2*

23. The family is linked to the political, economic, cultural and educational spheres. Justify with the help of two examples. *1+1=2*

24. (a) Membership in our families or religious or regional communities is without preconditions, and yet it is total. In fact, most ascriptive identities are very hard to shake off; even if we choose to disown them, others may continue to identify us by those very markers of belonging.

Based on the above passage, answer the following question.

Why are community identities hard to shake off ? *2*

OR

(b) In terms of the nation-states relationship with community identities, the Indian case fits neither the assimilationist nor the integrationist model.

What do policies of assimilation aim at ?

25. Studies have shown how diverse forms of family are found in different societies. With regard to the rules of inheritance, explain the two forms of family. *1+1=2*

खण्ड ग

26. 'जनजाति' एक आधुनिक शब्द है जो ऐसे समुदायों के लिए प्रयुक्त होता है जो बहुत पुराने हैं और उप-महाद्वीप के सबसे पुराने निवासी हैं। जनजातियाँ ऐसे समुदाय थे जो किसी लिखित धर्मग्रंथ के अनुसार किसी धर्म का पालन नहीं करते थे; उनका कोई सामान्य प्रकार का राज्य या राजनीतिक संगठन नहीं था और उनके समुदाय कठोर रूप से वर्गों में नहीं बँटे हुए थे।

सकारात्मक विशिष्टताओं के आधार पर, जनजातियों को कई लक्षणों के अनुसार विभाजित किया गया है। इन लक्षणों को स्पष्ट कीजिए। *4*

27. (क) व्यवस्थित शासन के लिए उपनिवेशवाद ने विभिन्न क्षेत्रों में भारी परिवर्तन की शुरुआत की। किन्हीं दो क्षेत्रों में परिवर्तनों का नामोल्लेख करते हुए उनकी व्याख्या कीजिए। *4*

अथवा

(ख) नगरीकरण और औद्योगीकरण जुड़ी हुई प्रक्रियाएँ हैं। समझाइए।

28. रूढ़िबद्ध धारणा तथा भेदभाव में क्या अंतर है ? *4*

29. सामाजिक स्तरीकरण क्या है ? सामाजिक स्तरीकरण के प्रमुख सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। *4*

30. संस्कृतीकरण की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। *4*

31. स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण समाज में सामाजिक संबंधों की प्रकृति में अनेक प्रभावशाली रूपांतरण हुए। इन बदलावों को समझाइए। *4*

32. कोयला खदानों में काम करने वाले मज़दूरों की कार्यावस्थाओं की चर्चा कीजिए। *4*

SECTION C

26. 'Tribe' is a modern term for communities that are very old, being among the oldest inhabitants of the sub-continent. Tribes were communities that did not practice a religion with a written text; did not have a state or political form of the normal kind and did not have sharp class divisions.

In terms of positive characteristics, tribes have been classified according to certain traits. Explain the traits. *4*

27. (a) To facilitate the smooth functioning of its rule, colonialism introduced a wide array of changes in every sphere. Name and explain the changes in any two spheres. *4*

OR

(b) Urbanization and Industrialisation are linked processes. Explain.

28. Differentiate between stereotypes and discrimination. *4*

29. What is social stratification ? Explain the key principles of social stratification. *4*

30. Critically examine the concept of Sanskritisation. *4*

31. Several profound transformations in the nature of social relations in rural areas took place in the post-Independence period. Explain these transformations. *4*

32. Explain the working conditions of workers working in coal mines. *4*

खण्ड घ

33. *भारत में जन्म एवं मृत्यु दरें 1901 – 2017*

चार्ट 1 : भारत में जन्म एवं मृत्यु दरें 1901 – 2017

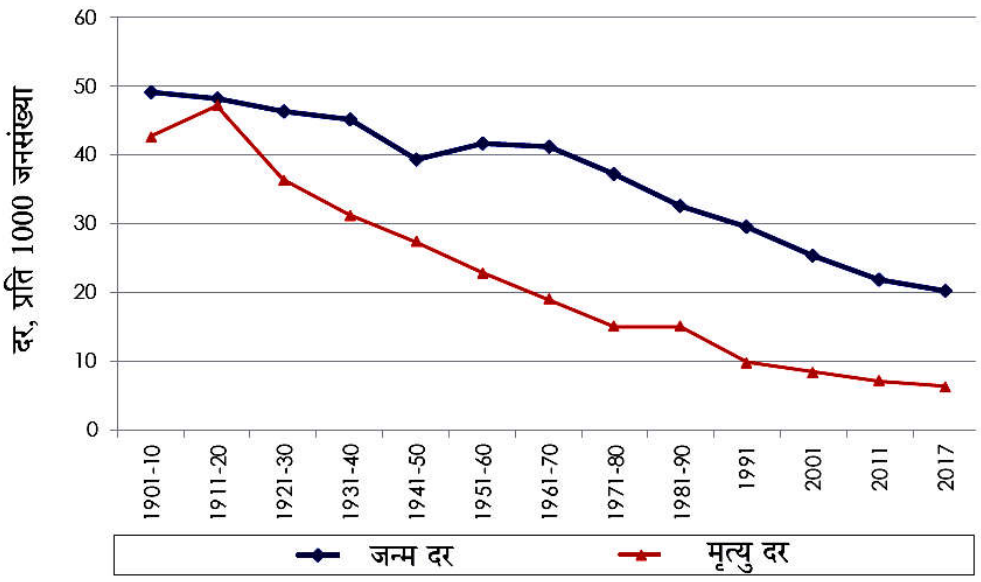

स्रोतः राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, भारत सरकार

वेबसाइटः https://populationcommission.nic.in/facts1.htm# राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रालेख 2018, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; आर्थिक सर्वेक्षण 2018–19, भारत सरकार।

ग्राफ के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वर्ष 1911 – 20 के दौरान जन्म दर और मृत्यु दर के बीच क्या संबंध है ? *2*

(ख) नकारात्मक जनसंख्या संवृद्धि दर को परिभाषित कीजिए। *2*

(ग) कौन-सा वक्र अधिक तेज़ी से गिरता है ? इसका एक कारण बताइए। *2*

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्र. सं. **33** के स्थान पर हैं :*

वर्ष 1901-1951 के बीच औसत वार्षिक संवृद्धि दर 1·33% से अधिक नहीं हुई जो कि एक साधारण संवृद्धि दर कही जा सकती है। सच तो यह है कि 1911 से 1921 के बीच संवृद्धि की दर नकारात्मक यानी ऋणात्मक रूप से – 0·03% रही। इसका कारण 1918-19 के दौरान इंफ्लूएंजा महामारी का भीषण तांडव था जिसने लगभग 1·25 करोड़ लोगों यानी देश की कुल जनसंख्या के 5% अंश को मौत के मुँह में ढकेल दिया था (विसारिया और विसारिया 2003 : 191)। ब्रिटिश राज से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जनसंख्या संवृद्धि की दर में काफ़ी बढ़ोतरी हुई और वह 1961-1981 के दौरान 2·2% पर पहुँच गई। तब से, यद्यपि वार्षिक संवृद्धि दर में गिरावट तो आई है फिर भी वह विकासशील दुनिया में सबसे ऊँची बनी हुई है।

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) वर्ष 1911-20 के दौरान जन्म दर और मृत्यु दर के बीच क्या संबंध है ? *2*

(ख) नकारात्मक जनसंख्या संवृद्धि दर को परिभाषित कीजिए। *2*

(ग) जन्म दर और मृत्यु दर में से कौन-सी दर तेजी से घटती है ? इसका एक कारण बताइए। *1+1=2*

SECTION D

33. *Birth and Death rate in India 1901 – 2017*

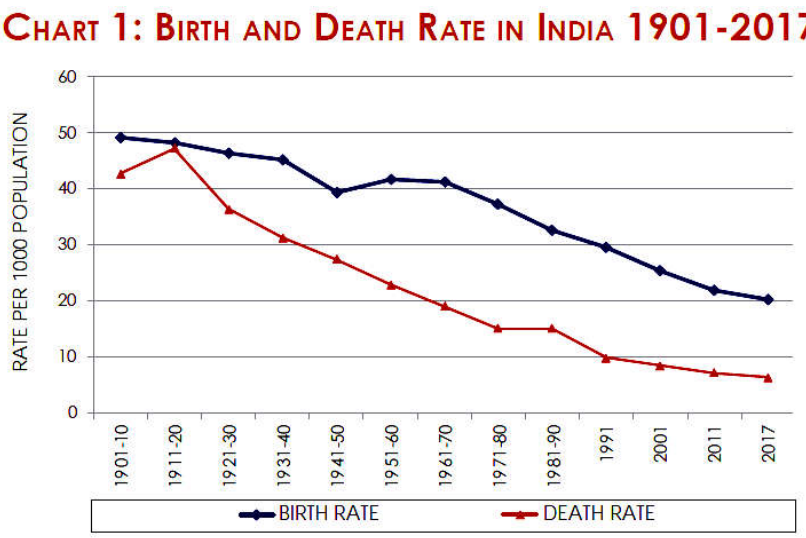

Source: *National Commission on Population, Government of India. website: http://populationcommission.nic.in/facts1.htm# National Health Profile 2018, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India; Economic Survey 2018–19, Government of India.*

Based on the above graph, answer the following questions :

(a) What is the relation between birth rate and death rate during the years 1911-2020 ? *2*

(b) Define negative growth rate. *2*

(c) Which curve declines faster ? Give one reason for the same. *2*

Note : *The following question is for the* ***Visually Impaired Candidates*** *only in lieu of Q. No.* ***33****.*

Between 1901-1951 the average annual growth rate did not exceed 1·33%, a modest rate of growth. In fact between 1911 and 1921 there was a negative rate of growth of – 0·03%. This was because of the influenza epidemic during 1918-19 which killed about 12·5 million persons or 5% of the total population of the country (Visaria and Visaria 2003 : 191). The growth rate of population substantially increased after independence from British rule going up to 2·2% during 1961-1981. Since then, although the annual growth rate has decreased, it remains one of the highest in the developing world.

Based on the given data, answer the following questions :

(a) What is the relation between birth rate and death rate during the years 1911-20 ? *2*

(b) Define negative growth rate. *2*

(c) Between birth rate and death rate, which rate declines faster ? Give one reason. *1+1=2*

34. जहाँ विरोध सामूहिक गतिविधि का सर्वाधिक मूर्त रूप है, वहीं सामाजिक आंदोलन समान रूप से महत्त्वपूर्ण अन्य तरीकों से भी कार्य करता है। सामाजिक आंदोलनकारी लोगों को उनसे संबंधित मुद्दों पर प्रेरित करने के लिए सभाएँ करते हैं। ऐसी गतिविधियाँ साझा सोच में सहायक होती हैं तथा सामूहिक एजेंडा को आगे बढ़ाने में स्वीकृति की भावना अथवा आम सहमति के लिए लोगों को तैयार करवाती हैं। सामाजिक आंदोलन प्रचार योजनाएँ भी बनाते हैं जिसमें सरकार पर दबाव बनाने वाले, संचार और जनमत तैयार करने वाले अन्य महत्त्वपूर्ण लोग भी शामिल होते हैं।

उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) किन्हीं दो सामाजिक आंदोलनों और उनके द्वारा लड़े गए मुद्दों के नाम बताइए। *2*

(ख) सामाजिक आंदोलन विरोध के विशिष्ट साधनों को भी विकसित करता है। उदाहरण लिखिए। *4*

35. राज्य में नागरिक समाज की भूमिका पर चर्चा कीजिए। *6*

34. While protest is the most visible form of collective action, a social movement also acts in other, equally important ways. Social movement activists hold meetings to mobilise people around the issues that concern them. Such activities help shared understanding, and also prepare for a feeling of agreement or consensus about how to pursue the collective agenda. Social movements also chart out campaigns that include lobbying with the government, media and other important makers of public opinion.

Based on the above passage, answer the following questions :

(a) Name any two social movements and the issues that they fought for. *2*

(b) Social movements also develop distinct modes of protest. Give examples. *4*

35. Discuss the role of civil society in the state. *6*

Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior Secondary School Supplementary Examination, 2024
SOCIOLOGY(039) Q.P. CODE 62/S

General Instructions: -

1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	**"Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its' leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC."**
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-XII, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X" be marked. Evaluators will not put right (✓)while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **"Extra Question"**.

10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11	A full scale of marks _____80_____(example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).
13	Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:- Giving more marks for an answer than assigned to it. ● Wrong totaling of marks awarded on an answer. ● Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. Wrong question wise totaling on the title page. ● Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book. ● Wrong totaling of marks of the two columns on the title page. ● Wrong grand total. ● Marks in words and figures not tallying/not same. ● Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. ● Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) ● Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.
15	Any un assessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the "**Guidelines for spot Evaluation**" before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

MARKING SCHEME
SOCIOLOGY

Set-4

	खंड-क	
1	A	1
2	D	1
3	C	1
4	A	1
5	D	1
6	B	1
7	A	1
8	B	1
9	C	1
10	D	1
11	D	1
12	C	1
13	A	1
14	A	1
15	D	1
16	C	1
	खंड-ख	
17	(i). अच्छी आर्थिक स्थिति वाले किसान जिनके पास ज़मीन, पूँजी तकनीक तथा जानकारी थी तथा जो नए बीजों और खादों में पैसा लगा सकते थे, वे अपना उत्पादन बढ़ा सके और अधिक पैसा कमा सके । (ii) भूमिस्वामियों ने अपने पट्टेदारों से ज़मीन वापस ले ली क्योंकि अब सीधे कृषि कार्य करना अधिक लाभदायक था। इससे धनी किसान और अधिक संपन्न हो गए तथा भूमिहीन तथा सीमांत भू-धारकों की दशा और बिगड़ गई। OR (i) ग्रामीण नगरीय आर्थिकी के परस्पर अंतःसम्बन्ध से कई व्यवसाय गाँवों में आ रहे हैं। (ii) बहुत से लोग गाँवों में रहते हैं, नौकरी करते हैं या उनकी जीविका ग्रामीण अकृषि क्रियाकलापों पर आधारित है। उदाहरण के लिए बहुत से गाँव में रहने वाले लोग सरकारी नौकरी जैसे डाकखाने में, शिक्षा विभाग में, कारखाने में कामगार या सेना की नौकरी करते हैं, उनकी जीविका अकृषि क्रियाकलापों से चलती है।	1+1=2
18	बहुत सी फ़ैक्ट्रियों में बदली कामगार भी होते हैं, जो कि छुट्टी पर गए हुए मजदूरों के स्थान पर काम करते हैं।	2

19	(i) क्रांतिकारी सामाजिक आंदोलन सामाजिक संबंधों के आमूल रूपांतरण का प्रयास करते हैं, प्रायः राजसत्ता पर अधिकार के द्वारा। (ii) रूस की बोल्शेविक क्रांति जिसने ज़ार को अपदस्थ करके साम्यवादी राज्य की स्थापना की तथा भारतीय स्वंत्रता संग्राम क्रांतिकारी आंदोलनों के रूप में व्याख्या की जा सकती है। (कोई अन्य उपयुक्त उदाहरण)	2
20	(i) इसमें बहुत से ऐसे बचाव के रास्ते और युक्तियाँ थीं जिससे परिवारों और घरानों ने अपनी भूमि को राज्यों को देने से बचा लिया था। (ii) अधिकतर मामलों में भूस्वामियोंने अपनी भूमि रिश्तेदारों या अन्य लोगों के बीच विभाजित कर दी, इसमें उनके नौकर के नाम भी तथाकथित बेनामी बदल दी गई । (iii) अमीर किसानों ने अपनी पत्नी को वास्तव में तलाक दे दिया (परन्तु उसी के साथ रहते रहे) सीलिंग अधिनियम की व्यवस्था से बचने के लिए, जोकि एक अविवाहित महिला को अलग हिस्सा देने की अनमुति देता है लेकिन पत्नियों को नहीं। इन्हें बेनामी हस्तांतरण भी कहा जाता था । (कोई दो बिंदु)	1+1=2
21	(i) संगठित क्षेत्र की इकाई में 10 और अधिक लोगों के पुरे वर्ष रोज़गार में रहने से इन क्षेत्रों का गठन होता है असंगठित क्षेत्र के विपरीत । (ii) संगठित क्षेत्र में उन्हें सरकार के पास पंजीकृत होना पड़ता है, असंगठित क्षेत्र में ऐसा नहीं होता । (iii) संगठित क्षेत्र में कर्मचारियों को उपयुक्त वेतन या मजदूरी, पेंशन और अन्य सुविधाएँ मिलती हैं ,असंगठित क्षेत्र में ऐसा नहीं होता । (कोई दो बिंदु)	1+1=2
22	(i) रेडियो, टेलीविजन, समाचारपत्र जैसे जनसंपर्क एवं जनसंचार के साधन अब ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के समक्ष नगरीय जीवन शैली और उपभोग के स्वरूपों की तस्वीरें पेश कर रहे हैं। (ii) जिन लोगों को ग्रामीण इलाकों में काम (पर्याप्त काम) नहीं मिलता वे काम की तलाश में शहर चले जाते हैं। (iii) गाँवों से नगरों की ओर प्रवसन की गति में इसलिए भी तेज़ी आई है क्योंकि गाँवों में तालाबों, वन प्रदेशों और गोचर भूमियों जैसे साझी संपत्ति के संसाधनों में बराबर कमी आती जा रही है। (iv) कभी-कभी लोग शहरी जीवन को कुछ सामाजिक कारणों से भी पसंद करते हैं जैसे कि शहरों में गुमनामी की ज़िंदगी जी जा सकती है। इसके अलावा, यह तथ्य कि नगरीय जीवन में अपरिचितां से संपर्क होता रहता है कुछ भिन्न कारणों से लाभकारी साबित हो सकता ह (v) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों जैसे सामाजिक रूप से पीड़ित समूहों को शहरी रहन-सहन कुछ हद तक रोज़मर्रा की उस अपमानजनक स्थिति से बचाता है जो उन्हें गाँवों में भुगतनी पड़ती है जहाँ हर कोई उनकी जाति से उन्हें पहचानता है । (vi) शहरी जीवन की गुमनामी के कारण सामाजिक दृष्टि से प्रभुत्वशाली ग्रामीण समूहों के	1 + 1=2

	अपेक्षाकृत गरीब लोग शहर में जाकर कोई भी नीचा समझा जाने वाले काम करने से नहीं हिचकिचाते जिसे वे गाँव में रहते हुए बदनामी के डर से नहीं कर सकते थे । (कोई दो बिंदु)	
23	(i) यह परिवर्तन कभी-कभी तो आकस्मिक तौर पर होते रहते हैं जब कोई लड़ाई छिड़ जाती है अथवा लोग काम की तलाश में अन्यत्र जा बसते हैं। (ii) कभी-कभी यह परिवर्तन किसी विशेष प्रयोजन के लिए किए जाते हैं, जैसे कि जब युवा लोग बुजुर्गों द्वारा उनके लिए जीवन-साथी का चुनाव करने के बजाय स्वयं ही अपने जीवन-साथी का चुनाव कर लेते हैं। अथवा जब समाज में समलैंगिक प्यार का खुले तौर पर इजहार किया जाता है। (iii) हिमालयी क्षेत्र के गाँवों से पुरुषों के प्रवसन से उस गावँ में ऐसे परिवारों का अनपुात असामान्य रूप से बढ़ सकता है जिनकी मुखिया स्त्रियाँ हैं। (iv) भारत के सॉफ्टवयेर उद्योग में कार्य कर रहे युवा माता-पिता का कार्य-समय ऐसा हो कि वे अपने बच्चों की देखभाल ठीक से न कर सकें तो वहाँ दादा-दादियों तथा नाना-नानियों की सख्या बढ़ जाएगी । (कोई दो बिंदु) अन्य उपयुक्त बिंदु	1 + 1=2
24	(I) सामदुायिक पहचान, जन्म तथा अपनेपन पर आधारित होती है, न कि किसी अर्जित योग्यता या 'उपलब्धि' के आधार पर (ii) इस प्रकार की पहचानें 'प्रदत्त' कही जाती हैं अर्थात् ये जन्म से निर्धारित होती हैं और सबधित व्यक्तियों की पसंद या नापसंद इसमें शामिल नहीं होती (iii) लोग उन समदुायों से संबंधित होकर अत्यंत सरक्षिुत एवं संतष्टु महसस करते हैं जिनमें उनकी सदस्यता पूरी तरह जन्म पर आधारित होती है। (iv) सभंवतः इस आकस्मिक, शर्तरहित अथवा लगभग अनिवारणीय तरीके से संबंधित होने के कारण ही हम अक्सर अपनी सामदुायिक पहचान से भावनात्मक रूप से इतना गहरे जुड़े होते हैं। (v) प्रदत्त पहचानों और सामदुायिक भावना की एक दूसरी विशेषता यह होती है कि वे सर्वव्यापी होती है। (कोई दो बिंदु) **OR** (i) आत्मसात्करण को बढ़ावा देने वाली नीतियों का उद्देश्य सभी नागरिकों को एक समान सांस्कृतिक मूल्यों और मानकों को अपनाने के लिए राजी, प्रोत्साहित या मजबूर करना है ।	2

	(ii) इसीलिए राज्य आमतौर पर किसी एक समरूप राष्ट्रीय पहचान का इसलिए पक्ष लेते हैं कि वे उसका नियंत्रण एवं प्रबंध कर सकें गे।	
25	(i) मातृवंशीय समाज- जायदाद माँ से बेटी को मिलती है । (ii) पितृवंशीय समाज- जायदाद पिता से पुत्र को मिलती है ।	1+1=2
	खंड-ग	
26	**स्थायी लक्षण** (i). क्षेत्र के आधार पर - जनजातीय जनसंख्या का लगभग 85% भाग 'मध्य भारत' में रहता है ।शेष 15% में से 11% से अधिक पूर्वोत्तर राज्यों में और बाकी के 3% से थोड़े-से अधिक शेष भारत में रहते हैं। जनसं ख्या के आकार की दृष्टि से, जनजातियों में बहुत अधिक अंतर पाया जाता है । (ii) आवास के आधार पर - इनके पारिस्थितिक आवासों में पहाड़ियाँ, वन, ग्रामीण मैदान और नगरीय औद्योगिक इलाके शामिल हैं। (iii). भाषा के आधार पर - जनजातियों को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें से दो श्रेणियों अर्थात भारतीय-आर्य और द्रविड़ है । दो अन्य भाषा समूह आस्ट्रिक और तिब्बती-बर्मी है । (iv). शारीरिक-प्रजातीय के आधार पर - जनजातियों का नीग्रिटो, आस्ट्रैलॉइड, मोंगोलॉयड, द्रविड़ और आर्य श्रेणियों में वर्गीकरण किया गया है। (v) आकार के आधार पर - जनसं ख्या के आकार की दृष्टि से, जनजातियों में बहुत अधिक अंतर पाया जाता है, सबसे बड़ी जनजाति की जनसं ख्या लगभग 70 लाख है जबकि सबसे छोटी जनजाति यानी अंडमान द्वीपवासियों की जनसंख्या शायद 100 व्यक्तियों से भी कम है। सबसे बड़ी जनजातियाँ गोंड, भील, संथाल ओराँव, मीना, बोडो और मुंडा हैं । (कोई दो स्थायी लक्षण) **अर्जित लक्षण** (i) आजीविका के आधार पर, जनजातियों को मछुआ, खाद्य संग्राहक और आखेटक (शिकारी), झूम खेती करने वाले, कृषक और बागान तथा औद्योगिक कामगारों की श्रेणियों में बाँटा जा सकता है। (ii). हिन्दू समाज में उनके समावेश की सीमा ।	2+2=4
27.	**कानूनी क्षेत्र**- (i) ब्रितानी उपनिवेशवाद ने केवल भमि स्वामित्व के नियमों को ही नहीं बदला अपित यह भी निर्धारित किया कि कौन सी फसल उगाई जाए और कौन सी नहीं। (ii) इसने उत्पादन क्षेत्र को भी नहीं छोड़ा। वस्तुओ् के उत्पादन की प्रणाली और उनके वितरण के	2+2=4

	तरीकों को भी बदल दिया। (iii) यहाँ तक कि ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटिश पूंजीवाद के प्रसार के लिए जंगलों को भी नहीं छोड़ा। उन्होंन पेड़ों की कटाई और बागानों में चाय की खेती की शुरुआत कराई। **सांस्कृतिक क्षेत्र**- (i) पश्चिमी शिक्षा पद्धति को भारत में इस उद्देश्य से लाया गया कि उससे भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार हो जो ब्रिटिश उपनिवेशवाद को बनाए रखने में सहयोगी हो। **वास्तुशिल्प क्षेत्र** -(i) औपनिवेशिक शहरों का उदभव और विकास हुआ ,जैसे बंबई, कलकत्ता और मद्रास उपयुक्त माने गए थे। (II) कोलकाता (उन दिनों का कलकत्ता) ऐसा पहला नगर था। हुगली नदी के किनारे ही सन्1698 में फोर्टविलियम की स्थापना रक्षा और सैन्य बल को गठित करने के उद्शद्ेय से हुई। (iii) दक्षिण एशिया के औपनिवेशिक नगर के मॉडल में परिवर्तन हुआ-विशाल बंगले, ससुज्जित मकान, मिलने-जुलने लिए क्लब, अतिरिक्त । (कोई दो) **OR** (i). औद्योगीकरण का संबंध यांत्रिक उत्पादन के उदय से है जो शक्ति के गैरमानवीय संसाधन जैसे वाष्प या विद्युत पर निर्भर होता है। (ii). नगरीकरण-लोगों के रहने की जगह के रूप में शहरों ने गांव की जगह ले ली । (iii). औद्योगिक समाजों में ज़्यादा से ज़्यादा रोज़गारवत्ति में लगे लोग कारखानों, ऑफिसों और दुकानों में कार्य करते हैं। (iv).ब्रिटिश औद्योगीकरण का एक उल्टा असर यानी कि भारत के कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक क्षरण (डीइडं स्ट्रियलाइजेशन) हुआ। (v). परम्परात्मक नगरीय केंद्रों सूरत और मसूलीपट्नम, ढाका, और मुर्शिदाबाद का भी पतन हो गया । (vi). समुद्र तटीय नगर जैसे बंबई, कलकत्ता और मद्रास उपयक्तु माने गए थे। क्योंकि इन जगहों से उपभोग की आवश्यक वस्तुओ् का निर्यात आसानी से किया जा सकता था । जैसे कोलकाता से जूट (पटसन) का निर्यात होता था जबकि चेन्नई से कहवा, चीनी, नील और कपास ब्रिटेन को निर्यात किया जाता था । (vii). पश्चिम में 90 प्रतिशत से ज़्यादा लोग कस्बों और शहरों में रहते हैं क्योंकि वहीं पर रोज़गार व व्यवसाय के अवसर अधिक होते हैं । अतः हम नगरीकरण को औद्योगीकरण से जोड़कर देखते हैं। (कोई चार बिंदु)	
28.	**रूढ़िबद्ध धारणाएँ** (i) रूढ़िबद्ध धारणाएँ एक समूह के बारे में अपरिवर्तनीय, कठोर और रूढ़िबद्ध धारणाओं पर आधारित होते हैं।	2+2=4

	(ii) रूढ़िबद्ध धारणाएँ ज़्यादातर नृजातीय और प्रजातीय समूहों और महिलाओं के बारे में प्रयोग की जाती हैं। (iii) कुछ समदुायों को 'वीर प्रजाति' की संज्ञा दी गई तो कुछ को कायर या पौरुषहीन और कुछ को दगाबाज़ कहा गया (iv) रूढ़िबद्ध धारणा पर समूह को एक सामान श्रेणी में स्थापित कर देती है और इस धारणा के अतर्गत व्यक्तिगत, समयानुसार या परिस्थितिजन्य भिन्नता को भी नकार दिया जाता है । **भेदभाव** (i) भेदभाव दूसरे समूह अथवा व्यक्ति के प्रति किया गया व्यवहार है। (ii) भेदभाव को व्यावहारिक रूप में इस प्रकार भी देखा जा सकता है जिसके तहत एक समूह के सदस्य उन अवसरों के लिए अयोग्य करार दिए जाते हैं जो दूसरे के लिए खुले होते हैं । (iii) भेदभाव को प्रमाणित करना बहु त कठिन है क्योंकि हो सकता है कि यह न तो खुले तौर पर हो और न ही स्पष्टतया घोषित हो। (iv) उदाहरण के लिए, जिस व्यक्ति को उसकी जाति के आधार पर नौकरी देने से मना किया गया है उसको कहा जा सकता है कि उसकी योग्यता दूसरों से कम है तथा चयन पूर्ण रूप से योग्यता के आधार पर किया गया है।	
29.	वह व्यवस्था जो एक समाज में लोगों का वर्गीकरण करते हुए एक अधिक्रमित संरचना में उन्हें श्रेणीबद्ध करती है उसे समाजशास्त्री सामाजिक स्तरीकरण कहते हैं। यह मुख्य सिद्धांत सामाजिक स्तरीकरण की व्याख्या करते हैंः (i). सामाजिक स्तरीकरण व्यक्तियों के बीच की विभिन्नता का प्रकार्य ही नहीं बल्कि समाज की एक विशिष्टता है। (ii). सामाजिक स्तरीकरण पीढ़ी-दर-पीढ़ी बना रहता है। (iii). सामाजिक स्तरीकरण को विश्वास या विचारधारा द्वारा समर्थन मिलता है। (कोई दो)	2+2=4
30	(i). सर्वप्रथम, इस अवधारणा की आलोचना में यह कहा जाता है कि इसमें सामाजिक गतिशीलता निम्न जाति का सामाजिक स्तरीकरण में उर्ध्वगामी परिवर्तन करती है, को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। (ii). आलोचनात्मक पक्ष यह है कि इस अवधारणा की विचारधारा में उच्चजाति की जीवनशैली उच्च एवं निम्न जाति के लोगों की जीवनशैली निम्न है (iii). तीसरी आलोचना यह है कि संस्कृतीकरण की अवधारणा एक ऐसे प्रारूप को सही ठहराती है जो दरअसल असमानता और अपवर्जन पर आधारित है (iv). चौथी आलोचना में यह कहा जाता है कि उच्च जाति के अनुष्ठानो, रिवाजों और व्यवहार को सं स्कृतीकरण के कारण स्वीकृति मिलने से लड़कियों और महिलाओ को असमानता की सीढ़ी में सबसे नीचे धकेल दिया जाता है। इससे कन्यामलूय के स्थान पर दहेज प्रथा और अन्य समूहों के साथ जातिगत भेदभाव इत्यादि बढ़ गए हैं।	1+1+1+ 1=4

	(v). पाँचवीं दलित संस्कति एवं दलित समाज के मूलभूत पक्षों को भी पिछड़ापन मान लिया जाता है। (कोई चार)	
31	(i). गहन कृषि के कारण कृषि मज़दरों की बढ़ोतरी (ii). भुगतान में सामान (अनाज) के स्थान पर नगद भुगतान (iii). पारंपरिक बंधनों में शिथिलता अथवा भूस्वामी एवं किसान या कृषि मज़दरों (जिन्हें बंधुआ मजदूर भी कहते हैं) के मध्य पुश्तैनी संबंधों में कमी होना (iv). 'मक्तु ' दिहाड़ी मज़दरों के वर्ग का उदय।	1+1+1+ 1=4
32	(i). भमिूगत खानों में कार्य करने वाले कामगार बाढ़, आग, ऊपरी या सतह के हिस्से के धँसने से बहुत खतरनाक स्थितियों का सामना करते हैं । (ii). बहुत से कामगारों को साँस से संबंधित बीमारियाँ हो जाती हैं। जैसे क्षय रोग या सिलिकोसिस। (iii). जो खुली खानों में काम करते हैं, वे तेज़ धूप और वर्षा में काम करते हैं । खान के फटने से या किसी चीज़ के गिरने से आने वाली चोट का सामना भी करते हैं। (iv). कई ठेकेदार मज़दरों का रजिस्टर भी ठीक से नहीं रखते हैं, अतः वे दुर्घटना की अवस्था में किसी भी लाभ को देने की ज़िम्मेदारी से मुकर सकते हैं।	1+1+1+ 1=4
	खंड - घ	
33	(क) 1911 से 1920 के बीच संवद्धि की दर नकारात्मक यानी ऋणात्मक रूप से –0.03% रही। इसका कारण 1918–19 के दौरान इन्फ्लुएंजा महामारी का भीषण तां डव था जिसने लगभग 1.25 करोड़ लोगों यानी देश की कुल जनसं ख्या के 5% अश को मौत के मुँह में ढकेल दिया था (ख) प्रजनन शक्ति स्तर प्रतिस्थापन दर से नीचा रहता है। (ग) मृत्यु दर बहुत तेज़ी से गिरती है क्योंकि चिकित्सा सुविधाओं और शिक्षा, जागरूकता तथा समद्धि के स्तरों में वद्धि होती जाती है।	2 2 1+1=2
34	(क) (i). चिपको आंदोलन - पर्यावरण को बचाने के लिए, आर्थिक मुद्दा (ii). जनजातीय आं दोलन- अलग राज्य का गठन (झारखण्ड) (अन्य कोई सम्बंधित आंदोलन और मुद्दा) (ख) (i) मोमबत्ती या मशाल जुलुस (ii). काले कपड़े का प्रयोग (iii). नुक्कड़ नाटक (iv). गीत	1+1=2 1+1+1+ 1=4

	(v). कविताएँ (vi). स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसा, सत्याग्रह तथा चरखे के प्रयोग । (कोई चार)	
35	(i). नागरिक समाज उस व्यापक कार्यक्षेत्र को कहते हैं जो परिवार के निजी क्षेत्र से परे होता है, लेकिन राज्य और बाज़ार दोनों क्षेत्र से बाहर होता है । (ii) नागरिक समाज सार्वजनिक अधिकार का गैर-राजकीय तथा गैर-बाज़ारी भाग होता है जिसमे अलग-अलग व्यक्ति संस्थाओ औंर संगठनों का निर्माण करने के लिए स्वेच्छा से परस्पर जुड़ जाते हैं। (iii). यह सक्रिय नागरिकता का क्षेत्र है यहाँ व्यक्ति मिलकर सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं, राज्य को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं अथवा उसके समक्ष अपनी माँगे रखते हैं । (iv) इसम राजनीतिक दल, जनसं चार की संस्थाएँ, मजदूर संघ, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक संगठन शामिल होते हैं । (v) नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह हैं कि सं गठन राज्य नियं त्रित नहीं होना चाहिए और यह विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक मनुाफ़ा कमाने वाले तत्त्व न हों। (vi) विविध प्रकार के मुद्दों को उठाया गया जिसमें भमिू संबंधी अधिकारों के लिए जनजातीय सं घर्ष, स्त्रियों के प्रति हिंसा और बलात्कार के विरुद्ध अभियान, बाँधों के निर्माण अथवा पटरी पर रहने वालों का पुनर्वास, गंदी बस्तियाँ हटाने के विरुद्ध और आवासीय अधिकारों के लिए अभियान, प्राथमिक शिक्षा संबंधी सुधार, दलितों को भूमि का वितरण आदि शामिल हैं। (vii) हाल में उठाए गए उल्लेखनीय कदमों में सुचना के अधिकार के लिए चलाए गए अभियान को सबसे अधिक महत्वपूर्ण कहा जा सकता है । (कोई छह)	1+1+1+ 1+1+1= 6

Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior Secondary School Supplementary Examination, 2024
SOCIOLOGY(039) Q.P. CODE 62/S

General Instructions: -

1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	**"Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its' leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC."**
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-XII, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X" be marked. Evaluators will not put right (✓)while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **"Extra Question"**.

10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11	A full scale of marks _____80_____(example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).
13	Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:- Giving more marks for an answer than assigned to it. ● Wrong totaling of marks awarded on an answer. ● Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. Wrong question wise totaling on the title page. ● Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book. ● Wrong totaling of marks of the two columns on the title page. ● Wrong grand total. ● Marks in words and figures not tallying/not same. ● Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. ● Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) ● Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
15	Any un assessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the "**Guidelines for spot Evaluation**" before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

MARKING SCHEME
SOCIOLOGY

Set-4

	SECTION A	
1	A	1
2	D	1
3	C	1
4	A	1
5	D	1
6	B	1
7	A	1
8	B	1
9	C	1
10	D	1
11	D	1
12	C	1
13	A	1
14	A	1
15	D	1
16	C	1
	SECTION B	
17 .	**(a) In the first phase of the Green Revolution, in the 1960s and 1970s, the introduction of new technology seemed to be increasing inequalities in rural society. Green Revolution crops were highly profitable, mainly because they yielded more produce.** **Based on the above passage, answer the question given below :** **How did the introduction of new technology increase inequalities in rural society?** **Answer**. (i) Well-to-do farmers who had access to land, capital, technology, and know-how, and those who could invest in the new seeds and fertilisers, could increase their production and earn more money. (ii) Landowners began to take back land from their tenants and cultivate it directly because cultivation was becoming more profitable. This made the rich farmers better off, and worsened the condition of the landless and marginal holders. **OR** (**b) There are rural residents employed in government services such as the postal and educational departments, factory workers, or in the army, who earn their living through non-agricultural activities.** Based on the above passage, answer the following question. Why have traditional occupations declined in rural India?	1+1=2

	Answer. (i) Increasing interconnection of the rural and urban economies have led to many diverse occupations. (ii) Many people living in rural areas are employed in, or have livelihoods based on, rural non-farm activities. For instance, there are rural residents employed in government services such as the Postal and Education Departments, factory workers, or in the army, who earn their living through non - agricultural activities.	
18	**"Many factories employ badli workers". Who are badli workers?** **Answer**. Many factories employ badli workers who substitute for regular permanent workers who are on leave.	2
19	**Define the concept of revolutionary movement with the help of an example.** **Answer.** (i) Revolutionary social movement attempt to radically transform social relations, often by capturing state power. (ii) The Bolshevik revolution in Russia that deposed the Tsar to create a communist state and the Indian freedom struggle can be described as revolutionary movement. **(Any other relevant example)**	2
20	**Why were the Land Ceiling Acts 'toothless' in most of the states? Give two reasons.** **Answer**. (i)There were many loopholes and other strategies through which most landowners were able to escape from having their surplus land taken over by the state. (ii) In most cases landowners managed to divide the land among relatives and others, including servants, in so-called 'benami transfers' – which allowed them to keep control over the land. (iii) In some places, some rich farmers actually divorced their wives (but continued to live with them) in order to avoid the provisions of the Land Ceiling Act, which allowed a separate share for unmarried women but not for wives. **(Any two)**	1+1=2
21	**Differentiate between organised and unorganised sector.** **Answer**. (i) The organised sector consists of all units employing ten or more people throughout the year unlike unorganized sector. (ii) In organised sector they have to be registered with the government whereas the unorganized sector may not. (iii) Organised sector ensures that their employees get proper salaries or wages, pension and other benefits which is opposed to the unorganized sector. **(Any two)**	1+1=2

22	**The rapid growth in urbanisation shows that the town or the city has been acting as a magnet for the rural population.** **Give two reasons for the above statement.** **Answer**. (i) Mass media and communication channels are now bringing images of urban life styles and patterns of consumption into the rural areas. Consequently, urban norms and standards are becoming well known even in the remote villages, creating new desires and aspirations for consumption. (ii) Those who cannot find work (or sufficient work) in the rural areas go to the city in search of work. (iii) This flow of rural-to-urban migration has also been accelerated by the continuous decline of common property resources like ponds, forests and grazing lands. (iv) City may also be preferred for social reasons, especially the relative anonymity it offers. Urban life involves interaction with strangers can be an advantage for different reasons. (v) For the socially oppressed groups like the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, this may offer some partial protection from the daily humiliation they may suffer in the village where everyone knows their caste identity. (vi) The anonymity of the city also allows the poorer sections of the socially dominant rural groups to engage in low status work that they would not be able to do in the village. **(Any two) Any other relevant point**	1+1=2
23	**The family is linked to the political, economic, cultural and educational spheres.** **Justify with the help of two examples.** **Answer**. (i)The structure of family change, when a war takes place or people migrate in search of work. (ii) Sometimes these changes are purposely brought about, as when young people decide to choose their spouses instead of letting elders decide. Or when same sex love is expressed openly in society. (iii) The migration of men from the villages of the Himalayan region can lead to an unusual proportion of women-headed families in the village. (iv) The work schedules of young parents in the software industry in India may lead to increasing number of grandparents moving in as care-givers to young grandchildren. **(Any two) (Any other relevant point)**	1+1=2

24	**(a) Membership in our families or religious or regional communities is without preconditions, and yet it is total. In fact, most ascriptive identities are very hard to shake off; even if we choose to disown them, others may continue to identify us by those very markers of belonging.** **Based on the above passage, answer the following question.** **Why are community identities hard to shake off?** **Answer**. (i) Community identity is based on birth and 'belonging. These kinds of identities are called 'ascriptive' – that is, they are determined by the birth and do not involve any choice. (ii) There is a sense of security and satisfaction in belonging to these communities. (iii) It is because of this accidental, unconditional and yet almost inescapable belonging that we can often be so emotionally attached to our community identity. (iv) Feature of ascriptive identities and community feeling is that they are universal. **(Any two)** **OR** **In terms of the nation-states relationship with community identities, the Indian case fits neither the assimilationist nor the integrationist model.** **What do policies of assimilation aim at?** **Answer**. (i) Policies that promote assimilation are aimed at persuading, encouraging or forcing all citizens to adopt a uniform set of cultural values and norms. (ii) States generally tend to favour a single, homogenous national identity, in the hope of being able to control and manage it.	2
25	**Studies have shown how diverse forms of family are found in different societies. With regard to the rules of inheritance, explain the two forms of family.** **Answer**. (i) Patrilineal family- Where societies pass on property from father to son. (ii) Matrilineal family- Where societies pass on property from mother to daughter.	1+1=2
26	**'Tribe' is a modern term for communities that are very old, being among the oldest inhabitants of the sub-continent. Tribes were communities that did not practice a religion with a written text; did not have a state or political form of the normal kind and did not have sharp class divisions.** **In terms of positive characteristics, tribes have been classified according to certain traits. Explain the traits.**	2+2=4

	Answer. **Permanent Traits** (i) On the basis of region- There are concentrations in certain regions. About 85% of the tribal population lives in 'middle India. Of the remaining 15%, over 11% is in the North Eastern states, leaving only a little over 3% living in the rest of India. (ii) On the basis of ecological habitat- It includes hills, forests, rural plains and urban industrial areas. (iii) On the basis of language-Tribes are categorised into four categories. Two of them, Indo-Aryan and Dravidian, are shared by the rest of the Indian population as well, and tribes. The other two language groups, the Austric and Tibeto-Burman, are primarily spoken by tribals. (iv) On the basis of physical-racial terms- Tribes are classified under the Negrito, Australoid, Mongoloid, Dravidian and Aryan categories. (v) On the basis of size- Tribes vary a great deal, ranging from about seven million to some Andamanese islanders who may number less than a hundred persons. The biggest tribes are the Gonds, Bhils, Santhals, Oraons, Minas, Bodos and Mundas, all of whom are at least a million strong. **(Any two permanent traits)** **Acquired Traits** (i) On the basis of livelihood, tribes can be categorised into fishermen, food gatherers and hunters, shifting cultivators, peasants and plantation and industrial workers. (ii) Extent of incorporation into Hindu society.	
27	**(a) To facilitate the smooth functioning of its rule, colonialism introduced a wide array of changes in every sphere. Name and explain the changes in any two spheres.** **Answer. Legal Sphere**- (i) It changed the very laws of the land. It changed not just land ownership laws but decided even what crops ought to be grown and what ought not to be. (ii) It meddled with the manufacturing sector. It altered the way production and distribution of goods took place. (iii) It entered into the forests. It cleared trees and started tea plantations. It brought in Forest Acts that changed the lives of pastoralists. **Cultural Sphere**- (i) Western education was introduced to create Indians who would manage British colonialism. **Architectural Sphere**- (i) Emergence of new colonial cities, such as Mumbai, Kolkata and Chennai were favoured. (ii) Kolkata was one of the first of such cities. In 1698, Fort William was established by the river for defensive purposes, and a large open area was cleared around the fort for the military engagements. (iii)There were Changes in the model of the South Asian colonial city like- spacious	2+2=4

	bungalows, planned streets, clubs for get togethers etc. **(Any two spheres)** **OR** **(b) Urbanization and Industrialisation are linked processes. Explain.** **Answer**. (i) Industrialisation refers to the emergence of machine production, based on the use of inanimate power resources like steam or electricity. (ii) Urbanisation- Cities replaced villages as places to live for many people. (iii) A prime feature of industrial societies today is that a large majority of the employed population work in factories, offices or shops rather than agriculture. (iv) British industrialisation led to deindustrialisation in some sectors. And decline of old urban centres. This period also saw the further decline of cities such as Surat and Masulipatnam while Bombay and Madras grew. (v) Coastal cities such as Mumbai, Kolkata and Chennai were favoured. From here primary commodities could be easily exported and manufactured goods could be cheaply imported. (vi) Over 90 per cent of people in the west live in towns and cities therefore, we usually associate urbanisation with industrialisation. **(Any four) (Any other relevant point)**	
28	**Differentiate between stereotypes and discrimination.** **Answer**. **Stereotypes** – (i) Prejudices are often grounded in stereotypes. They are fixed and inflexible characterisations of a group of people. (ii) Stereotypes are often applied to ethnic groups, racial groups and to women. stereotypes are partly colonial creations. (iii) Some communities were characterised as 'martial races', some others as effeminate or cowardly, yet others as untrustworthy. (iv) Stereotypes fix whole groups into single, homogenous categories; as they refuse to recognise the variation across individuals and across contexts or across time. **Discrimination-** (i) It refers to actual behaviour towards another group or individual. (ii) Discrimination can be seen in practices that disqualify members of one group from opportunities open to others as when a person is refused a job because of their gender or religion. (iii) Discrimination can be very hard to prove because it may not be open or explicitly stated.	2+2=4

	(iv) Example, the person who is refused a job because of his or her caste may be told that he or she was less qualified than others, and that the selection was done purely on merit.	
29	**What is social stratification? Explain the key principles of social stratification.** **Answer.** Social stratification refers to a system by which categories of people in a society are ranked in a hierarchy. OR Social stratification refers to the hierarchical arrangement of different segments of society into 'strata' or sub-groups whose members share the same general position in the hierarchy. **(Any one definition)** The key principles of social stratification are: (i) Social stratification is a characteristic of society, not simply a function of individual differences. (ii) Social stratification persists over generations. (iii) Social stratification is supported by patterns of belief, or ideology. **(Any two)**	2+2=4
30	**Critically examine the concept of Sanskritisation.** **Answer**. Sanskritisation as a concept has been critiqued at different levels. (i) One, it has been criticised for exaggerating social mobility or the scope of 'lower castes' to move up the social ladder. For it leads to no structural change but only positional change of some individuals. (ii) Two, it has been pointed out that the ideology of sanskritisation accepts the ways of the 'upper caste' as superior and that of the 'lower caste' as inferior. (iii) Third, 'sanskritisation' seems to justify a model that rests on inequality and exclusion. It appears to suggest that to believe in pollution and purity of groups of people is justifiable or all right. (iv) Fourth, since sanskritisation results in the adoption of upper caste rites and rituals it leads to practices of secluding girls and women, adopting dowry practices instead of bride-price and practising caste discrimination against other groups, etc. (v)Fifth, the effect of such a trend is that the key characteristics of Dalit culture and society are eroded. **(Any four)**	1+1+1+1=4

31	**Several profound transformations in the nature of social relations in rural areas took place in the post-Independence period. Explain these transformations.** **Answer.** (i) An increase in the use of agricultural labour as cultivation became more intensive; (ii) A shift from payment in kind (grain) to payment in cash; (iii) Loosening of traditional bonds or hereditary relationships between farmers or landowners and agricultural workers (known as bonded labour); (iv) Rise of a class of 'free' wage labourers'	1+1+1+1=4
32	**Explain the working conditions of workers working in coal mines.** **Answer**. (i) Workers in underground mines face very dangerous conditions, due to flooding, fire, the collapse of roofs and sides, the emission of gases and ventilation failures. (ii) Many workers develop breathing problems and diseases like tuberculosis and silicosis. (iii) Those working in overground mines have to work in both hot sun and rain and face injuries due to mine blasting, falling objects etc. (iv) Many contractors do not maintain proper registers of workers, thus avoiding any responsibility for accidents and benefits.	1+1+1+1=4
33	**(a) What is the relation between birth rate and death rate during the years 1911-2020?** **Answer**. In between 1911 and 1920 there was a negative rate of growth of – 0.03%. This was because of the influenza epidemic during 1918–19 which killed about 12.5 million persons or 5% of the total population of the country. **(b) Define negative growth rate.** **Answer**. When fertility rates are below the replacement level, societies experience a negative growth rate. **(c) Which curve declines faster? Give one reason for the same.** **Answer**. The curve of death rates declines faster. This is because of progress in medical science with development, improvements in medical cures for the diseases, programmes for mass vaccination, and efforts to improve sanitation helped to control epidemics.	2 2 1+1=2

34	**(a) Name any two social movements and the issues that they fought for.** **Answer**. (i) Chipko Movement-To save Environment (forest and trees), Economic issues. (ii) Tribal Movement- Formation of separate state (Jharkhand) **(any other social movement and issue**) **(b) Social movements also develop distinct modes of protest. Give examples.** **Answer**. (i) Candle and torch light processions (ii) Use of black cloth (iii) Street theatres (iv) Songs (v) Poetry (vi) Ahimsa, satyagraha and use of the charkha in the freedom movement. **(Any Four)**	1+1=2 1+1+1 +1=4
35	**Discuss the role of civil society in the state.** **Answer**. (i) Civil society is the name given to the broad arena which lies beyond the private domain of the family, but outside the domain of both state and market. (ii) Civil society is the non-state and non-market part of the public domain in which individuals get together voluntarily to create institutions and organisations. (iii) It is the sphere of active citizenship. individuals take up social issues, try to influence the state or make demands on it, pursue their collective interests, or seek support for a variety of causes. (iv) It includes political parties, media institutions, trade unions, non-governmental organisations (NGOs), religious organisations, and other kinds of collective entities. (v) The main criteria for inclusion in civil society are that the organisation should not be state-controlled, and it should not be a purely commercial profit-making entity. (vi) The issues taken up are diverse, ranging from tribal struggles for land rights, campaigns against rape and violence against women, rehabilitation of those displaced by dams and other developmental projects, primary education reform, distribution of land to Dalits etc. (vii)The most significant recent initiative is the campaign for the Right to Information. **(Any Six)**	1+1+1 +1+1+ 1=6